भारत किस विदेशी सत्ता या आक्रांता का कितनी देर गुलाम रहा?

भारत किस विदेशी सत्ता या आक्रांता का कितनी देर गुलाम रहा?भारत किस विदेशी सत्ता या आक्रांता का कितनी देर गुलाम रहा? इस पर मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी द्वारा भारत हजारों वर्षों की पराधीनता एक औपनिवेशिक भ्रमजाल नामक ग्रंथ में शोधपूर्ण ढंग से बताया गया है। जिसमें पिछले 18000 वर्ष के कालखंड पर प्रकाश डाला गया है और बताया गया है कि भारत का कौन सा क्षेत्र कितनी देर विदेशी सत्ता के अधीन रहा?

जम्मू– यहां पर 16000 ईसा पूर्व से 1948 तक कभी भी विदेशी शासन नहीं रहा। एक प्रकार से रिपोर्ट कह रही है कि नेहरू जी ने शेख अब्दुल्लाह को यह प्रान्त सौपकर यहां पर पहली बार किसी मुसलमान का शासन स्थापित कराया। हमारे पूर्वजों के सारे बलिदान व्यर्थ हो गए और इतिहास में लिख दिया गया कि जम्मू भी 1000 वर्ष तक गुलाम रहा ।

लद्दाख– यह क्षेत्र भी एक दिन के लिए भी विदेशी सत्ता का गुलाम नहीं रहा। हिन्दू राजा यहां स्वतंत्र रूप से शासन करतेरहे। आज क्या स्थिती है? बताने की आवश्यकता नही है। हमारा पौरुष और पुरुषार्थ नीलाम हो चुके हैं। हमें इतिहास बोध नही रहा और हमने इतिहास को मरने दिया। हम पापी हैं?

कश्मीर घाटी– ठुउक्त शोध ग्रंथ के अनुसार 17474 वर्ष यहां हिन्दू शासन रहा। 1346 से 1819 तक 473 वर्ष यहां मुस्लिम शासन रहा। 1948 से फिर यह प्रान्त मुस्लिम शासन में है। गंगा-जमुनी संस्कृति का जीता जागता प्रमाण है ये प्रान्त। जहां हजारों लाखों वर्ष से शासन करते आ रहे हिंदुओं को भगा दिया गया है और लोकतंत्र व धर्मनिरपेक्षता के नाम पर सारा इतिहास मिटा दिया गया है। तोते रट रहे हैं कि हम 1000 वर्ष गुलाम रहे। हमारे पूर्वज कायर थे। जिन्हें कौन समझाए कि कायर पूर्वज नहीं तुम हो। पूर्वजों ने इतिहास बनाया था , तुम उसे मिटा रहे हो।

घाटी मात्र 473 वर्ष विदेशी शासन में रही और उसकी हालत क्या हो गयी? यदि 1000 वर्ष गुलाम रहती तो क्या होता? विचारणीय है ।

पंजाब और हरियाणा– यहां 196 वर्ष मुस्लिमों का तो 98 वर्ष ब्रिटिश सत्ताधीशों का शासन रहा है। शेष समय भगवा लहराता रहा। खोजो अपने उन महान राजाओं को , महान बलिदानियों को और गुरुओं को जिनके कारण यह पवित्र भूमि मात्र 294 वर्ष ही विदेशी सत्ताधीशों की गुलाम रही और उसमें भी स्वतंत्रता का संघर्ष करती रही। 1000 वर्ष तक यदि इस पवित्र भूमि को गुलाम कहने की मूर्खता की गई तो इतिहास की चीख निकल जायेगी। कृतघ्नता की सीमायें मत लांघो।

कभी सिंध और अफगानिस्तान भी भारत के अंग थे ।

सिंध में 998ई0, से1008ई तक लगभग 10 वर्ष तक मुस्लिम शासन रहा। इसके पश्चात 1018ई0 से 1026ई0 तक , 1173ई0 से 1362ई0 तक और फिर 1591ई0 से 1842ई0 तक अर्थात 500 वर्षों तक विदेशी मुस्लिमों का शासन रहा। 1843ई0 से 1947ई0 तक कुल 104 वर्ष अंग्रेजों का शासन रहा।

परंतु इस सारे काल मे ही यहां विदेशी शासन को उखाडने् का संघर्ष चलता रहा। हमने यदि अपने पूर्वजों के संघर्ष का ध्यान किया होता तो हमे पता चलता कि वह संघर्ष अखंड भारत के लिए था, हिंदुत्व की रक्षा के लिए था।

हमारा संघर्ष केसरिया के नेतृत्व में लड़ा गया था। आज हम तिरंगे का सम्मान कर सकते हैं , यह अलग बात है पर यह ध्यान रखना चाहिए कि 22 जुलाई 1947 को मिला हमारा तिरंगा केसरिया के लिए लड़े गए दीर्घ कालीन संघर्ष का परिणाम है। तिरंगा को सम्मान देकर भी हम केसरिया को नही भूल सकते। जिस समय केसरिया के लिए हमारे पूर्वज बलिदान दे रहे थे उस समय उन्होंने केसरिया का अभिप्राय भारत की आन ,बान और् शान से लगाया था इसी केसरिया के नीचे रहकर उन्होंने विश्व गुरू भारत का सपना संजोया था। जो लोग एक झटके में कह जाते हैं कि भारत तो इतने दिन गुलाम रहा या यह तो कायरों का देश है– उन्हें अपना बलिदानी इतिहास पढना् चाहिए। सिंध को अपने साथ जोड़े रखने का संघर्ष केसरिया की भारत निर्माण योजना को बताता है।

अफगानिस्तान– अफगानिस्तान प्राचीन काल से भारत का अंग रहा था। यहां 11वीं शताब्दी में मुस्लिम शासन स्थापित हो गया था। दुर्भाग्यवश भारत का यही वह भाग है जहां एक बार मुस्लिम शासन स्थापित होने के बाद उखाड़ा नही जा सका। परिणामस्वरूप भारत अपनी अखंडता खो बैठा। सावरकर जी ने ठीक ही तो कहा था कि धर्मांतरण से मर्मान्तरण और् मर्मान्तरण से राष्ट्रान्तरण होता है। धर्म परिवर्तित होते ही राष्ट्र तोडने् की बातें होती हैं। इसीलिए देश मे धर्मांतरण को पूर्णतया निषिद्ध करने की माँग राष्ट्रवादी लोगों की ओर से रह रहकर की जाती रही है।

हिन्दू महासभा आज भी अखंड भारत की बात करती है। इसका कारण यही है कि यह संगठन अपने बलिदानी इतिहास और् अपने केसरिया का सम्मान करना जानता है। इसकी ऐसी सोच को धर्मनिरपेक्षी तोते पसंद नही करते। अफगानिस्तान के विषय में हमे यह याद रखना चाहिए कि इसी को आधार बनाकर पाकिस्तान की मांग की गई थी और् आज पाकिस्तान को आधार बनाकर फिर देश तोडने् की बात की जा रही हैं।

अफगानिस्तान की भांति गजनी गोर में भी 10 वीं शताब्दी में ही मुस्लिम शासन स्थापित हो गया था। यह क्षेत्र 8 से 9 शताब्दी तक गुलाम रहा। फलस्वरूप यह अपना मौलिक स्वरूप भूल गया और एक अलग मजहब के नाम पर अपने आपको भारत से अलग मानने लगा। जो लोग भारत को एक हजार वर्ष तक गुलाम रहने की कहानी को सच मानते हैं उन्हें यह पता होना चाहिए कि इतने लंबे काल की गुलामी का परिणाम होता भारत का पूर्ण रूप से इस्लामी रंग में रंग जाना और् इसी अवस्था को हमारे क्रांतिकारी व स्वतंत्रता प्रेमी पूर्वज भारत के लिए खतरनाक मानकर अपना रक्त बहाते रहे थे।

बलूचिस्तान– यहां भी 9 वी शताब्दी में मुस्लिम शासन स्थापित हो गया था। उसके बाद यह शासन निरन्तर बना रहा। 1843ई0 में यहाँ ब्रिटिश शासन स्थापित हो गया था। दीर्घकालिक गुलामी के कारण यह प्रदेश भी भारत से अलग हो गया।

एक्ज़िम बैंक ने तंजानिया को 500 मिलियन यू एस डॉलर की ऋण-व्यतवस्था प्रदान की

मुंबई, भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्ज़िदम बैंक) ने भारत सरकार की ओर से तंजानिया गणराज्य में [तंजानिया के 23 शहरों में जलापूर्ति योजना के लिए] 500 मिलियन यू एस डॉलर की ऋण-व्यैवस्था् प्रदान की। इस ऋण-व्यवस्थो करार पर नई दिल्ली में गुरुवार, 10 मई, 2018 को एक्ज़िम बैंक की ओर से प्रबंध निदेशक श्री डेविड रस्कीनना तथा तंजानिया गणराज्य की ओर से वित्त एवं आयोजना मंत्रालय की उप स्थाई सचिव सुश्री अमिना शाबान द्वारा हस्तानक्षर किए गए।

उक्त्र 500 मिलियन यू एस डॉलर की ऋण- व्यववस्थाा करार सहित एक्ज़िलम बैंक द्वारा तंजानिया गणराज्य को भारत सरकार की ओर से अब तक 1.1 अरब यू एस डॉलर की 6 (छह) ऋण-व्यलवस्थाएं प्रदान की जा चुकी हैं। इन ऋण-व्यरवस्थाओं के जरिए तंजानिया गणराज्यओ को ट्रैक्ट रों की आपूर्ति, पंपों एवं उपकरणों, वाहनों की खरीद हेतु वित्तपोषण, लेक विक्टोरिया पाइपलाइन का टबोरा, गुंगा एवं ज़ेगा तक विस्तापर, जंजीबार में जलापूर्ति का पुनरूर्द्धार एवं सुधार तथा दार-एस-सलाम में जलापूर्ति योजनाओं के लिए सहयोग प्रदान किया गया है।

एक्ज़िम बैंक द्वारा अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका तथा सी आई एस क्षेत्रों के 62 देशों में 22.4 अरब यू एस डॉलर की ऋण-प्रतिबद्धता के साथ 225 ऋण-व्यवस्थातएं प्रदान की गई हैं। यह राशि भारत से निर्यातों के वित्तपोषण के लिए उपलब्धत है। एक्ज़िम बैंक की ऋण-व्यवस्थाएं भारतीय निर्यातों के संवर्द्धन के अलावा उभरते बाजारों में भारत की विशेषज्ञता और परियोजना निष्पा्दन क्षमताओं को भी प्रदर्शित करती हैं। (1)

ओरियेन्टल पर्ल्स एवं टोनीनो लम्बोरगीनी ने मल्टी-मिलीयन डोलर का सौदा किया

अहमदाबाद : अप स्केल लिविंग स्पेस की अग्रणी रिअल एस्टेट डेवलपर ओरिएन्टल पर्ल्स ने लाइफस्टालि एक्सेसरीज एवं वैभवी डिजाइन होस्पिटालिटी प्रोजेक्ट्स को समर्पित इटालियन कंपनी टोनिनो लम्बोरगी एस.पी. ए. के सात दुबई में अपने रिअल एस्टेट डेवलपमेन्ट में टोनिनो लम्बोरगी की ब्रान्डींग, फिलोसोफी एवं वेल्यु,का उपयोग करने के लिए आईकोनिक मल्टी मिलियन डॉलर का अनुबंध करार किया है।

इस अनुबंध करार के अंतर्गत टोनिनो लम्बोरगीनी अपने प्रख्यात एवं श्रेष्ठ मानदंड का उपयोग दुबई के मेयदान के एक जिला में विकसित किये जा रहे रोयल पर्ल्स मास्टर प्लान कॉम्युनिटी की लक्जरी, एक्सक्लुजीव एवं कस्टमाइजेशन के लिए करेगी। टोनिनो लम्बोरगी एस.पी.एस. ने लम्बोरगीनी परिवार के वारिस द्वारा स्थापित एक इटाली स्तित कंपनी है। इनके परिवार की परम्परा और वारिस को बनाये रखकर 1981 में टोनिनो लम्बोरगीनी की यह विशिष्ट इटालियन स्टाइल एवं टेस्ट को प्रोत्साहित करने के ळिए लक्जरी डिजाइन प्रोडक्ट्स की व्यापक श्रेणी के साथ लाइफस्टाइल एक्सपिरीयेन्स ब्रान्ड का निर्माण किया। इस साझेदारी द्वारा टोनिनो लम्बोरगीनी ने रोयल पर्ल्स को दुबई में रिअल एस्टट सेक्टर में टोनिनो लम्बोरगीनी ब्रान्ड का उपयोग करने का एक्सक्लुजीव राइट्स 10 वर्ष के लिए दिया है। (13-5)

किसानों को बेहतर रोजगार के लिए सी एडं ए फाउंडेशन और म.प्र. करेंगे साझा प्रयास

ग्लोबल रिटेलर सी एन्ड ए का कॉर्पोरेट फाउंडेशन सी एन्ड ए फाउंडेशन ने आज भोपाल में मध्य प्रदेश शासन के साथ मिलकर एक विशेष सम्मेलन कॉटन ट्रेलब्लेज़र्स का आयोजन किया। इस आयोजन के अंतर्गत जैविक कपास उत्पादन के क्षेत्र में मध्य प्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लीडरशिप और मध्य प्रदेश में किसानों की आजीविका के सुधार में जैविक कपास की पैदावार की भूमिका को विशेष तौर पर दर्शाया गया। आयोजन के दौरान जैविक कपास आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाय चेन) से जुड़े हितधारकों के बीच इस चर्चा को भी आगे बढ़ाया गया कि किस तरह जैविक कपास क्षेत्र को सबके सहयोग से मजबूत और लचीला बनाया जा सकता है।

इस कार्यक्रम में विभिन्न शासकीय प्रतिनिधियों ने शिरकत की जिनमें नीति-निर्धारकों और विभिन्न शैक्षणिक समुदायों के सदस्यों सहित सम्पूर्ण जैविक कपास आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े हितधारक शामिल थे, जैसे अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड्स के प्रतिनिधि तथा खुदरा दुकानदारों तथा साथ ही बड़ी संख्या में जैविक कपास उपजाने वाले किसान, आदि। इन सभी ने राज्य में जैविक कपास की खेती के लिए लाभदायक नीतियों से युक्त वातावरण बनाने के मध्य प्रदेश शासन के प्रयासों का तालियां बजाकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने इस क्षेत्र से संबंधित चुनौतियों पर प्रकाश डाला तथा जैविक कपास के लिए एक समृद्ध मूल्य वाली श्रृंखला बनाने की ओर साथ मिलकर काम करने के लिए हितधारकों का आह्वान किया, ताकि खेतों से लेकर स्टोर, किसानों, मैन्युफेक्चरर, ब्रांड्स, रिसर्च इंस्टीट्यूट तथा समाज सभी को फायदा मिल सके। (7-4)

लाइफस्टाइल आदतें दे सकती हैं स्तन कैंसर को बढ़ावा

जीवनशैली से संबंधित बदलती आदतों, बढ़ते कार्य दबाव और तनाव के स्तर ने मौजूदा आधुनिक समय में लोगों के पास अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए समय नहीं रह गया है। खासकर हृदय बीमारियां, हृदयाघात, मधुमेह, मोटापा जैसी गंभीर बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसी बीमारियों की जांच कराने वाले लोगों की तादाद हर दिन तेजी से बढ़ रही है और उनके परिवार इन समस्याओं से कोई बड़ा नुकसान हुए बगैर इन ज्यादा ध्यान देना उपयुक्त नहीं समझते।

स्तन कैंसर वैश्विक रूप से लाखों लोगों की जिंदगी को प्रभावित करने करने वाली मुख्य बीमारी है। यह दुनियाभर में महिलाओं में ज्यादातर पाया जाने वाला कैंसर है। वर्ष 2017 में एवॉन ने स्तन कैंसर के खतरे और लक्षणों पर 15 देशों में 19,000 एवॉन रीप्रेजेंटेटिव्स का वैश्विक सर्वे कराया था। सर्वे के निष्कर्ष में कहा गया कि वैश्विक रूप से महिलाओं में इस बारे में जागरूकता का व्यापक अभाव है कि स्तन कैंसर के लक्षण क्या हैं और इस बीमारी को बढने् से कैसा रोका जा सकता है। भारत में भी महिलाएं इसे लेकर अनभिज्ञ बनी हुई हैं और स्तन कैंसर स्व-जांच, चिकित्सीय जांच कराने और डॉक्टर से परामर्श करने को लेकर आशंकित हैं जिससे इस बीमारी का पता नहीं चलने का खतरा बढ़ रहा है और यह समस्या घातक साबित हो रही है। (20-4)

'एपैसा' फ्री स्टॉक ट्रेडिंग ऐप 1 मिलियन यूज़र्स तक पहुंचा, डिस्काउंट ब्रोकर्स में प्रथम

मुंबई, भारत के सबसे किफायती ब्रोकर, 5पैसाडॉटकॉम ने आज बताया कि इसकी फ्री मोबाईल ऐप्लीकेशन 5पैसा 1 मिलियन यूज़र्स तक पहुंच चुकी है तथा यह भारत में डिस्काउंट ब्रोकर्स के बीच सबसे ज्यादा डाउनलोड की जाने वाली और सबसे ज्यादा उपयोग में लाई जाने वाली ऐप्लीकेशन है।

यह ऐप फाईनेंशियल मार्केट्स ऐप्लीकेशन स्पेस में 1 मिलियन डाउनलोड तक पहुंचने वाला सबसे तीव्र ऐप और दुनिया में किसी भी स्थान पर सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला ऐप है।

5पैसा सबसे कम कॉस्ट ब्रोकिंग, संपूर्ण पेपरलेस अकाउंट ओपनिंग, म्यूचल फंड, इंश्योरेंस, रिसर्च और रोबो एडवाईज़री जैसी अद्वितीय पेशकशों के साथ देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाला डिस्काउंट ब्रोकर है।

5पैसा ने बताया कि लगभग 70 प्रतिशत ग्राहक पहली बार के निवेशक होते हैं और 90 प्रतिशत 40 साल से कम आयु के होते हैं। यह मोबाईल ऐप इस्तेमाल में इतना आसान है कि यह डू-इट-योरसेल्फ ग्राहकों के लिए ट्रेडिंग एवं स्टॉक निवेश का सहज प्लेटफॉर्म है। इसका 80 प्रतिशत से अधिक ट्रेडिंग एवं निवेश मोबाईल ऐप के माध्यम से होता है। (19-10)

चांदलोडीया स्टेशन पर 24 कोच की अतिरिक्त लूप लाईन के निर्माण कार्य के कारण 6 ट्रेनों के स्टापेज

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल के विरमगाम- अहमदाबाद रेलखण्ड के चांदलोडीया स्टेशन पर 24 कोच की अतिरिक्त लूप लाईन के निर्माण कार्य हेतु मेगा ब्लोक किया जा रहा है। इस दौरान अतिरिक्त लूप लाइन के निर्माण हेतु अर्थ वर्क किया जायेगा। इस दौरान लगभग 1 कि.मी क्षेत्र में ट्रेनो की गति पर भी रोक लगाई है। इस दौरान आगामी 30 दिनों के लिए निम्न ट्रेनों के स्टापेज चांदलोडीया स्टेशन पर स्तगित किये गये है अर्थात ये ट्रेने निर्धारित तिथि से 30 दिनों के लिए चांदलोडीया में नहीं रुकेगी।

ट्रेन संख्या 19016 पोरबंदर - मुम्बई सेन्ट्रल एवं ट्रेन संख्या 59548 ओखा - अहमदाबाद दिनांक 13 मई से आगामी 30 दिनों तक चांदलोडीया स्टेशन पर नहीं रुकेगी।

इसी क्रम में ट्रेन संख्या 59050 विरमगाम- वलसाड, ट्रेन संख्या 22960 / 22962, जामनगर/हापा- सुरत इन्टरसीटी एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 19120 सोमनाथ- अहमदाबाद एक्सप्रेस एवं ट्रेन संख्या 11463/11465 सोमनाथ - जबलपुर एक्सप्रेस दिनांक 14 मई से आगामी 30 दिनों तक चांदलोडीया स्टेशन पर नहीं रुकेगी।

एफबीबी कलर्स फेमिना मिस इंडिया वेस्ट 2018 के विजेताओं की घोषणा हो चुकी है!!

एफबीबी कलर्स फेमिना मिस इंडिया वेस्ट2018 सौन्दर्य प्रतियोगिता 13 मई, 2018 को हयात रीजेंसी पुणे में अनंत जोश और ग्लैमर के साथ सम्पन्न हुआ, जिसने इसके लिए एकदम सही आतिथ्य साझेदार की भूमिका निभाया। भारत के सबसे प्रतिष्ठित और विश्वसनीय सौंदर्य पेजेंट पश्चिमी क्षेत्र के 4 राज्यों के विजेताओं - मिस इंडिया राजस्थान, मिस इंडिया गुजरात, मिस इंडिया गोवा और मिस इंडिया महाराष्ट्र, को एफबीबी कलर्स फेमिना मिस इंडिया 2018 के ग्रैंड फिनाले में सीधे प्रवेश प्राप्त करने का एक आजीवन अवसर देता है जो 20 जून को मुंबई में आयोजित होने जा रहा है। विजेताओं में राजस्थान से निकिता सोनी, गुजरात से अनुष्का लुहार, गोवा से आशना गुराव और महाराष्ट्र से महक पंजाबी शामिल थे.

चार जोनों में से प्रत्येक का नेतृत्व एक सेलिब्रिटी सलाहकार करेगा, जिसे मार्गदर्शन करते और उनके अनुभवों को साझा करते समय अपने संबंधित क्षेत्रों की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा का निर्णय और चयन करने की ज़िम्मेदारी दी गई है। पश्चिम क्षेत्र के लिए कार्यवाही का प्रभार लेने वाली, और कोई नहीं बल्कि प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री पूजा हेगड़े ही है।

सलमान यूसुफ खान और किंग्स यूनाइटेड इंडिया के आनंददायक और मोहक प्रदर्शन ने दर्शकों को मियांग चांग के साथ बांध दिया था जिन्होंने उस शाम की मेजबानी की थी। एफबीबी कलर्स फेमिना मिस इंडिया 2018 के फाइनल में पहुँचने वाली प्रतियोगियों को जून में आयोजित होने वाले ग्रैंड फाइनल से पहले उद्योग के सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञों से जोरदार प्रशिक्षण मिलेगा। (13-9)

व्हितलिंग वुड्ज इन्टरनेशनल ने 2018 की प्रवेश परीक्षा की घोषणा की

प्रवेश परीक्षा का दूसरा राउण्ड अप्रैल 2018 में सफलता पूर्वक पूर्ण करने बाद एशिया की अग्रणी फिल्म , काम्युनिकेशन एवं क्रिएटीव आर्ट इन्स्टीट्यूट व्हितलिंग वुड्ज इन्टरनेशनल ने फुल टाईम डिग्री एवं डिप्लोमा कोर्स की प्रवेश परीक्षा का तृतीय राउण्ड की दिनांक 24 मई, 2018 की घोषणा की है।

इस संस्था द्वारा दिये जाते डिग्री एवं डिप्लोमा के पाठ्यक्रम में इन्स्टीट्यूट ओफ स्पेश्यल केटेगरी में मान्य हैं। जिन छात्रों ने फिल्म , मीडिया एवं कॉम्युनिकेशन के क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक है वे इस पाठअयक्रम के लिए आवेदन कर सकते है। यहां बीएससी/बीए इन फिल्म मेकिंग, बीए इन स्क्रीनराइटर , बीएससी/बीए इन एनिमेशन फिल्म मेकिंग, बीएससी/बीए इन वीडियो गेम डिजाइन, बीए इन एक्टींग, बीए इन फैशन डिजाइन , बीए इन विज्युअल कॉम्युनिकेशन डिजाइन, बीए इन म्युजिक प्रोडक्शन एवं कम्पोजिशन , बीबीए इन मीडिया एनंड काम्युनिकेशन तथी पीजीडी इन मिडीया एवं मनोरंजन का पाठ्यक्रम कार्यरत हैं।

मुम्बई के गोरेगांव इस्ट में स्थित व्हितलिंग वुड्ज इन्टरनेशनल फिल्म सीटी केम्पस में यह प्रवेश परीक्षा आयोजित होगी। यहां विद्यार्थियों को उद्योगजगत के विशेषज्ञों से सिखने का लाभ मिलता है, तदुपरांत संस्था के आधुनिक यंत्र एवं सुविधाओं के उपयोग का लाभ मिलता है, जिससे स्टूडेन्ट को कहीं बाहर जाने में कोई मुसिबत नहीं होती । -

3M कार केयर ने वडोदरा में प्रवेश किया; भारत में उनका यह 111 वां स्टोर

कार डिटेलिंग सेक्टर में भारत की एकल सबसे बड़े नियोजित कंपनी, 3M कार केयर ने हाल ही में वडोदरा में अपना पहला स्टोर लॉन्च किया है, जो भारत में इसका 111वां स्टोर है। इस स्टोर का उद्घाटन रिबन कटिंग समारोह के साथ 3M कार केयर के फ्रेंचाईज़ी मालिक, श्री सौरभ मुखर्जी ने किया, जो वडोदरा में अपने बिज़नेस का नेतृत्व करेंगे। यह नया स्टोर 1000 वर्गफीट के क्षेत्र में फैला एक्सक्लुसिव आउटलेट है, जो गोत्रीसवासी रोड पर स्थित है एवं कार डिटेलिंग सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है।

एक औद्योगिक केंद्र के रूप में वडोदरा काफी मजबूत बाजार है और यह गुजरात की अर्थव्यवस्था में सर्वोच्च योगदानदाताओं में से एक है। राज्य का ऑटोमोटिव बाजार देष में आठवां सबसे बड़ा बाजार है और ऑटो सेक्टर में कौषल विकास तथा प्रषिक्षण पर सरकार के केंद्रण के साथ वडोदरा ऑटोमोटिव तथा सहयोगी उद्योग के लिए काफी सकारात्मक वातावरण प्रदान करता है।

3M इंडिया पर ऑटोमोटिव आफ्टरमार्केट्स डिवीज़न के वाईस प्रेसिडेंट, श्री अजय जैन ने कहा, ''3M कार केयर सर्विसेस कार डिटेलिंग सेगमेंट में अग्रणी है और देष के ग्राहकों को यह बहुत पसंद आ रही है। यह स्टोर गुजरात में कंपनी का छठवां स्टोर है। अहमदाबाद और सूरत में अपार सफलता के बाद हमारे लिए वडोदरा में अपनी पहुंच स्थापित करना बहुत जरूरी था क्योंकि यहां पर हमारे भरोसेमंद ओईएम पार्टनर और मैनुफैक्चरिंग कंपनियां हैं। हमारा केंद्रण मेट्रो षहरों के बाहर अपने विस्तार पर था और वडोदरा हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, जो ऐसे बाजारों में मांग और उम्मीदों को प्रतिबिंबित करता है।'' (20-4)

नायका ने मेट टू लास्ट लिक्विड लिपस्टीक लॉन्च की

भारत का अग्रणी ब्यूटि रिटेलर नायका. कॉम ने अपने ब्यूटी प्रोडक्सन के इन -हाउस कलेक्शन नायका ब्यूटी में समकालिन भारतीय महिलाओं की भावनाओं के सम्मान की कदर करते हुए मेट टू लास्ट लिक्विड लिपस्टीक लॉन्च की । भारत के मुम्बई, दिल्ली, हैदराबाद, आईटी हब बेंगलुरू, जयपुर, अमृतसर, सूरत, चेन्नाई (मद्रास), कोलकाता एवं गोवाहाटी ऐसे दस शहरो की संस्कृति से प्रेरित तथा इटाली में निर्मित इस कलैक्शन में दस भव्य लिक्विड लिपस्टीक है। हैदराबाद से प्रेरित रॉयल ह्यु बेगम (शाही छटा) अथवा अमृतसर के वाइब्रन्ट कुडी अथवा चेन्नाई की जोरदार मद्रास कोपी से पसंद करें ।

घरेलु बजार में विकसित नायका ट्रेन्ड लीडर है और भारतीय संस्कृति की वाइब्रन्ट तथा अनोखी परंपराओ को मनानेवाले ग्राहकों के साथ घनिष्ठ संबंध का निर्माण करती प्रोडक्ट्स बनाते है। नायका ब्युटी प्रोडक्ट्स का हर उत्पादन की तरह ही मेट टू लास्ट भी ग्राहकों के प्रतिक्रिया सुनकर विकसित किया गया है। इस प्रकार का प्रथम प्रोडक्ट, नायका ने इस प्रोडक्ट पोर्टफोलियों द्वारा भारत के दस शहरों की समकालिन भारतीय महिलाओं के मूड तथा भावना को सम्मानित किया है। नायका ने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के लिए संस्कृति के समृद्ध वारसा के साथ कलर के अधिक शेडवाले जीवंत व्यक्तित्ववाले शहरो का चयन किया है। (13-5)

आईडीबीआई बैंक ने मार्जिनल कॉस्ट ऑफफंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) में वृद्धि की

मुंबई, आईडीबीआई बैंक ने अपनी फंड आधारित ऋण दर (एमसीएलआर) में संशोधन किया है, जो इस प्रकार है-

अवधि	एमसीएलआर (%में)
ओवरनाइट	8.00
एक माह	8.10
तीन माह	8.35
छह माह	8.45
एक वर्ष	8.65
दो वर्ष	8.70
तीन वर्ष	8.80

ये दरें 12 मई, 2018 से प्रभावी हो गई हैं।

बैंक ने विभिन्न अवधि के लिए एमसीएलआर में 05 बीपीएस से 10 बीपीएस की वृद्धि की है। (1)

सूचना
कृपया आपके विज्ञापन व समाचार हमारे निम्न लिखित ई-मेल पर ही भेंजे :
alpaviram@gmail.com